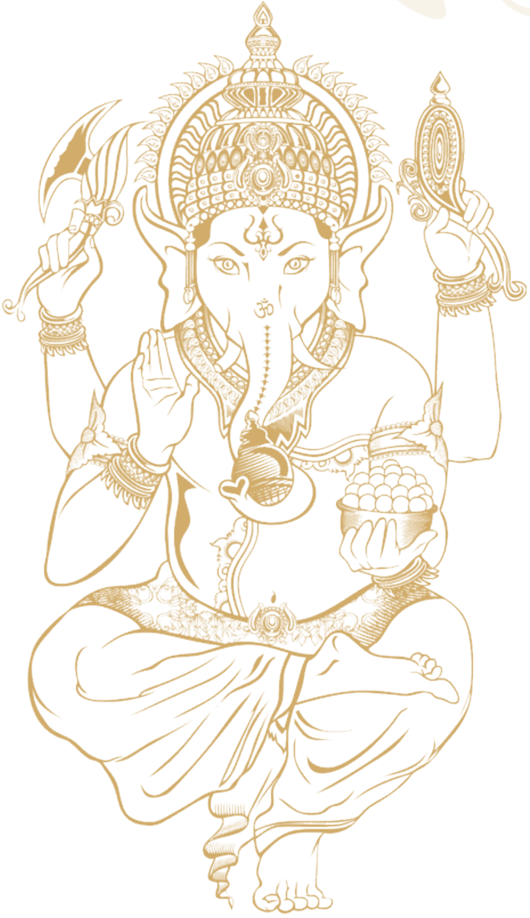

Mr. Anu bhabhi

10 Apr 1967

12:05 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120931006

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/04/1967**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**12:05:55 घंटे**
इष्ट	14:23:57 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:28:27 घंटे
वेलान्तर	-00:01:32 घंटे
साम्पातिक काल	00:39:41 घंटे
सूर्योदय	06:20:20 घंटे
सूर्यास्त	18:58:08 घंटे
दिनमान	12:37:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:18:35 मीन
लग्न के अंश	26:24:21 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:24:21	313:13:26	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	---
सूर्य			मीन	26:18:35	00:58:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	00:02:09	11:48:33	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
मंगल	व		तुला	03:21:05	00:21:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			मीन	00:27:05	01:21:13	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	नीच राशि
गुरु			कर्क	01:38:53	00:03:41	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	उच्च राशि
शुक्र			वृष	01:41:31	01:11:23	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि		अ	मीन	11:13:22	00:07:19	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		मेष	13:29:14	00:00:57	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	13:29:14	00:00:57	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		सिंह	27:50:56	00:02:12	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
नेप	व		वृश्चि	00:27:02	00:01:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो	व		सिंह	25:10:00	00:01:19	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			मीन	17:23:44	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:48

लग्न-चलित

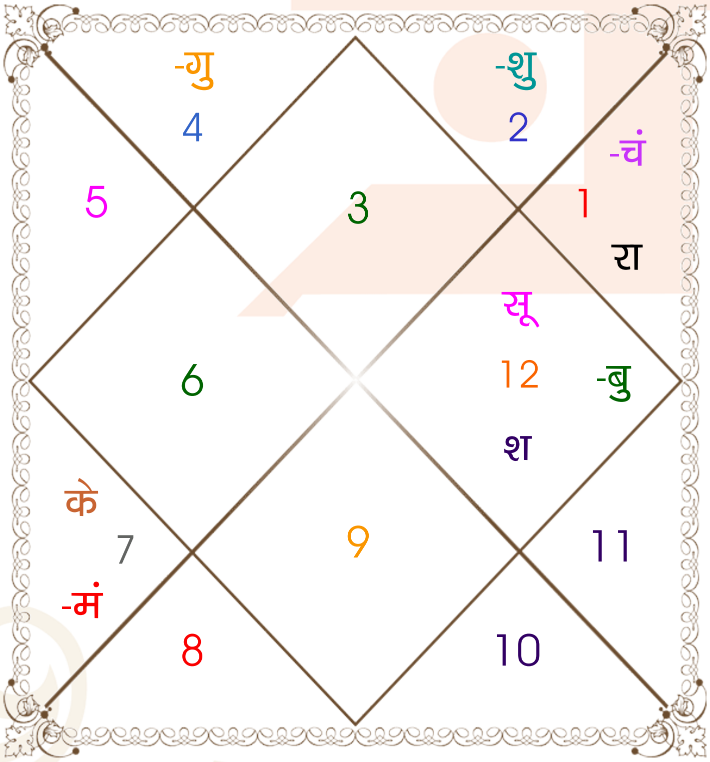

चन्द्र कुंडली

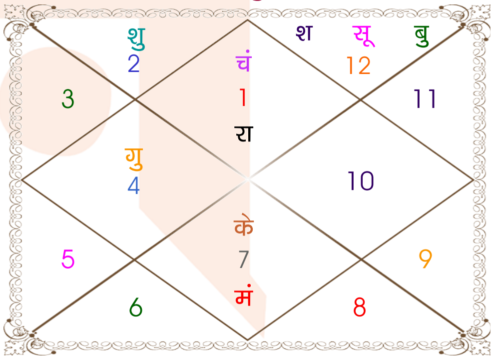

नवमांश कुंडली

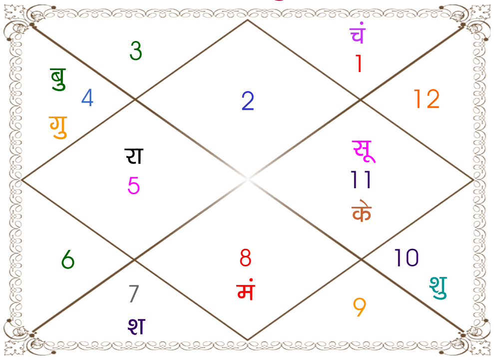

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 11 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
10/04/1967		03/04/1974		03/04/1994		02/04/2000		03/04/2010	
03/04/1974		03/04/1994		02/04/2000		03/04/2010		03/04/2017	
केतु	30/08/1967	शुक्र	02/08/1977	सूर्य	21/07/1994	चंद्र	01/02/2001	मंगल	30/08/2010
शुक्र	29/10/1968	सूर्य	03/08/1978	चंद्र	20/01/1995	मंगल	02/09/2001	राहु	18/09/2011
सूर्य	06/03/1969	चंद्र	02/04/1980	मंगल	28/05/1995	राहु	04/03/2003	गुरु	23/08/2012
चंद्र	05/10/1969	मंगल	03/06/1981	राहु	21/04/1996	गुरु	03/07/2004	शनि	02/10/2013
मंगल	03/03/1970	राहु	02/06/1984	गुरु	07/02/1997	शनि	01/02/2006	बुध	29/09/2014
राहु	22/03/1971	गुरु	01/02/1987	शनि	20/01/1998	बुध	03/07/2007	केतु	26/02/2015
गुरु	26/02/1972	शनि	03/04/1990	बुध	26/11/1998	केतु	02/02/2008	शुक्र	27/04/2016
शनि	06/04/1973	बुध	01/02/1993	केतु	03/04/1999	शुक्र	02/10/2009	सूर्य	02/09/2016
बुध	03/04/1974	केतु	03/04/1994	शुक्र	02/04/2000	सूर्य	03/04/2010	चंद्र	03/04/2017

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/04/2017		03/04/2035		03/04/2051		03/04/2070		03/04/2087	
03/04/2035		03/04/2051		03/04/2070		03/04/2087		00/00/0000	
राहु	15/12/2019	गुरु	21/05/2037	शनि	06/04/2054	बुध	30/08/2072	केतु	10/04/2087
गुरु	09/05/2022	शनि	03/12/2039	बुध	14/12/2056	केतु	27/08/2073		00/00/0000
शनि	15/03/2025	बुध	10/03/2042	केतु	23/01/2058	शुक्र	27/06/2076		00/00/0000
बुध	03/10/2027	केतु	13/02/2043	शुक्र	25/03/2061	सूर्य	03/05/2077		00/00/0000
केतु	20/10/2028	शुक्र	14/10/2045	सूर्य	06/03/2062	चंद्र	03/10/2078		00/00/0000
शुक्र	21/10/2031	सूर्य	03/08/2046	चंद्र	06/10/2063	मंगल	30/09/2079		00/00/0000
सूर्य	14/09/2032	चंद्र	03/12/2047	मंगल	14/11/2064	राहु	18/04/2082		00/00/0000
चंद्र	16/03/2034	मंगल	08/11/2048	राहु	21/09/2067	गुरु	24/07/2084		00/00/0000
मंगल	03/04/2035	राहु	03/04/2051	गुरु	03/04/2070	शनि	03/04/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 11 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली व्यक्ति हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाते हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगे। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहते हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत हो जाते हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देते हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरो की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करते हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आयेंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता हैं। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नही करते परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहते हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगे। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगिनी का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे। स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वांस नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें। आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।